5

observation method

वैज्ञानिक अध्ययनों के एक classical method के रूप में observation method का प्रयोग किया जाता है। संक्षेप में, हम कह सकते हैं कि natural situation में उत्पन्न होने वाले विभिन्न तथ्यों के cause and effect relationship के दृष्टिकोण से किए जाने वाले systematic अध्ययन को ही observation कहा जाता है। Oxford concise Dictionary में observation का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि— "Observation is an accurate watching and noting a phenomenon as they occure in nature with regard to the cause and effect or mitual relations."

अपनी सुविधा और आवश्यकतानुसार आज विभिन्न क्षेत्रों में observation method का प्रयोग किया गया है। writers, Novelists, Travellers आदि ने भी समय-2 पर इस विधि का प्रयोग किया है। Tolstoy, Premchand, Krishanchandra, Sharat chandra इत्यादि के लेख काफी सूझ-बूझ तथा निरीक्षणों पर आधारित है। विज्ञान के क्षेत्र में जितने सिद्धान्त प्रतिपादित होते हैं, वे अधिकतर observation पर ही आधारित होते हैं।

मनोविज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अध्ययन के लिए observation method का उपयोग व्यवहारवाद के विकास से शुरू होता है। Socio-Psychological researches में तो इसका प्रयोग कुछ ही दिनों पहले से होने लगा है। इस method का प्रयोग करते समय अध्ययनकर्ता उस परिस्थिति के nature के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेता है, जिस परिस्थिति से उत्पन्न होने वाले तथ्यों का निरीक्षण करना होता है। साथ ही साथ अध्ययनकर्ता को उस परिस्थिति को प्रभावित करने वाले अन्य तत्वों को control करने का भी प्रयास करना पड़ता है।

Socio-Psychological researches में observation method का प्रयोग कई रूपों

Scanned with CamScanner

में किया जाता है। किसी भी अध्ययन में observation method का प्रयोग किस रूप में होगा, यह दो बातों पर निर्भर करता है :— (i) observation की परिस्थिति में वर्तमान control पर तथा (ii) observer की भूमिका पर।

observation की परिस्थिति में वर्तमान control के आधार पर observation को दो भागों में बांटा गया है:

ⓐ controlled observation.

ⓑ uncontrolled observation.

controlled observation

को scientific, systematic या structured observation भी कहा जाता है। socio-psychological researches में observation के इसी रूप का अध्ययन विशेष तौर से किया जाता है। इस पद्धति के अन्तर्गत observer जिस समूह का अध्ययन करना चाहता है, उसके विभिन्न पहलुओं के सम्बन्ध में पहले योजना बना लेता है। इसके बाद उसका यह प्रयास होता है कि वह observed situation पर अपना नियंत्रण अधिक से अधिक रख सके। दूसरे शब्दों में, वैसी परिस्थिति पर अन्य तत्व अपना प्रभाव न डालें, इसकी व्यवस्था observer करता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि controlled observation में अध्ययनकर्ता यह निर्धारित कर लेता है कि उसे किन बातों का निरीक्षण करना है। इसके लिए अध्ययनकर्ता observation aid से equip करता है, जिसके आधार पर वह एक विशेष परिस्थिति की कुछ विशेषताओं का ही निरीक्षण करता है। इसके बाद निरीक्षणकर्ता के सामने एक प्रश्न उठता है कि वह उस परिस्थिति में स्वयं को सम्मिलित करे या नहीं। कुछ शोधकर्ता निरीक्षण के दौरान observed facts के noting एवं recording को आवश्यक बताते हैं तो कुछ अनावश्यक। LIPPITT and ZANDER इत्यादि ने observation के दौरान ही observed facts के recording को उपयोगी बतलाया है।

यद्यपि controlled observation के

प्रयोग में शोधकर्ता को अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, फिर भी KATZ, BALES, GOLDSTONE आदि ने इसका प्रयोग सफल रूप से socio-psychological research के लिए किया है।

Uncontrolled observation को unscientific तथा unstructured observation भी कहा जाता है। Socio-Psychological researches में इस प्रकार के observation का प्रयोग बहुत कम होता है, क्योंकि इसकी विश्वसनीयता अत्यंत ही कम होती है। इस पद्धति के अन्तर्गत लोगों के व्यवहार का निरीक्षण बिना किसी पूर्व योजना के किया जाता है। अध्ययनकर्ता के सामने यदि कोई ऐसी परिस्थिति सामने आ जाती है, जिसका उसके अध्ययन के विषय-वस्तु से सम्बन्ध होता है तो वह उसका निरीक्षण कर उस परिस्थिति के महत्वपूर्ण पहलुओं को record करता है और उसके आधार पर निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। इस विधि का प्रयोग socio-Psychological researches में प्रचलित नहीं है। इस प्रकार के अध्ययनों का प्रयोग अधिकतर Journa-lists किया करते हैं। N.C. Chaudhary की 'A passage to England', Chanchal Sirkar द्वारा लिखित 'The unquiet campus', Radha Krishnan committee report, Kothari commission report आदि — uncon-trolled observation के आधार पर लिखी गई प्रमुख रचनाएं हैं।

Observation के दौरान observer की भूमिका के आधार पर observation को दो भागों में बांटा गया है —

1. Participant observation.
2. Non-participant observation.

Participant observation का प्रयोग Anthropologists बड़े पैमाने पर किया करते हैं। Social Psychology के क्षेत्र में भी इसका प्रयोग व्यापक पर

Scanned with CamScanner

group एवं culture के प्रभावों के अध्ययन के लिए विशेष रूप से किया जाता है। इस method के लिए जाने वाले observation में observer जिन व्यक्तियों का निरीक्षण करने जा रहा है, के साथ actively participant रहता है और उनके व्यवहारों का निरीक्षण करता है। इस विधि में observer मुख्य रूप से observed group का सदस्य बन जाता है। इस विधि द्वारा अनेक researches किए गए हैं। <u>WHYTE</u>, <u>NELSANDERSON</u>, <u>H.S. BECKER</u>, <u>MORRIS</u> इत्यादि के अध्ययन इसी विधि पर आधारित है। हालांकि partici--pant observation का प्रयोग small एवं homogeneous group के अध्ययन के लिए किया जाता है, लेकिन इसकी प्रमुख त्रुटि यह है कि large एवं heterogeneous group के अध्ययन के लिए इस विधि का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इस विधि के प्रयोग के पीछे दूसरी कठिनाई का संकेत करते हुए <u>ROSEN FI--ELD</u> ने बतलाया है कि यदि कोई Researcher participant observation का सहारा लेता है तो किसी inner conflict में ही पड़ा रहे। इसमें observation का object नहीं रहता।

<u>Non-participant observation</u> Social researches की एक classical विधि है। सबसे पहले इस पद्धति का प्रयोग <u>LEPLAY</u> नामक समाजशास्त्री ने आज से लगभग 125 साल पहले European working class parties के अध्ययन के लिए किया था। इस पद्धति के अन्तर्गत observer जिस group का अध्ययन करता है, उस group से अलग रहकर उसके क्रिया-कलापों का अध्ययन करता है। लेकिन <u>GOODE and HATT</u> का विचार है कि कोई भी observer जिस group का observation करता है, उस group से पूरी तरह अलग रहकर observation नहीं कर सकता। observer को अप्रत्यक्ष रूप से उसके क्रिया-कलापों में सम्मिलित होना ही पड़ता है। इसलिए <u>GOODE and HATT</u> ने non-participant observation की अपेक्षा participant observation पर ही अधिक बल दिया है। इस विधि को

Scanned with CamScanner

प्रयोग R.S.LYND and H.M.V.LYND, MERTON आदि ने अपने प्रयोग में किया है।

Merits

निम्नलिखित विशेषताओं के कारण आज socio-psychologi-cal researches में observation method की उपयोगिता आज बढ़ने लगी है:

(1) इस विधि का सबसे बड़ा गुण यह है कि इसके द्वारा व्यवहारों का अध्ययन उसी रूप में किया जाता है, जिस रूप में व्यवहार स्वभाविक परिस्थिति में होते हैं। observation की इसी विशेषता के कारण शायद YERKES ने Apes एवं chimpanzees के social life का observation किया।

(2) कुछ विशेष प्रकार की समस्याओं में observation method अध्ययन की एक मात्र पद्धति रह जाती है। जैसे, बच्चों, पशुओं तथा मानसिक रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों पर question-naire तथा interview का प्रयोग नहीं किया जा सकता। तथा वैसी हालत में observation ही एक मात्र विधि रह जाती है।

(3) observation method socio-psychological resear-ches में data collection की सबसे simple और non-technical method है।

(4) वस research problem में जहाँ hypothesis के निर्माण में किसी प्रकार की कठिनाई हो, वहाँ इस विधि की सहायता से आसानी से hypothesis का निर्माण किया जा सकता है।

(5) इस विधि के द्वारा प्राप्त result accurate तथा reliable होते हैं।

(6) वैसे व्यक्ति जो interview या questionnaire method का प्रयोग करने पर हिचकते हैं, उन पर इस विधि का प्रयोग सफलतापूर्वक होता है।

(7) छोटे समूह के अध्ययन के लिए यह विधि काफी उपयोगी है।

Scanned with CamScanner

इस विधि की उपयोगिता इस बात से भी स्पष्ट है कि लगभग सभी Sciences में यह अध्ययन की common विधि है।

Limitations

उपर्युक्त विशेषताओं के बावजूद इसमें कुछ limitations भी मौजूद हैं, जिन्हें ignore नहीं किया जा सकता। ऐसी limitations निम्नलिखित हैं:-

(1) इस विधि का प्रयोग केवल छोटे समूह के अध्ययन के लिए ही किया जा सकता है।

(2) व्यक्ति के सभी प्रकार के व्यवहार observation योग्य नहीं होते। अतः सभी प्रकार के व्यवहारों का अध्ययन नहीं हो सकता।

(3) यदि अध्ययन के लिए sample का निर्माण Random sampling method के द्वारा किया गया हो, तो इस पद्धति का प्रयोग उस sample के अध्ययन के लिए नहीं किया जा सकता।

(4) observation method का प्रयोग करके और विशेषकर participant observation का प्रयोग करने पर observer का observed situation के प्रति personal involvement हो जाना काफी हद तक स्वाभाविक हो जाता है। ऐसी हालत में observation data के biased हो जाने की पूरी सम्भावना रहती है।

(5) Sex, Family crisis तथा adolescent problems आदि का अध्ययन इस पद्धति से नहीं किया जा सकता।

(6) इस पद्धति द्वारा प्राप्त data qualitative nature के होते हैं, जिसका statistical analysis नहीं किया जा सकता। परिणामस्वरूप, प्राप्त ~~data~~ results का generalise नहीं किया जा सकता।

(7) इस method में कुछ पक्षपात के आगमन का भय रहता है। हम जानते हैं कि observation का आधार perception होता है। perception के area में अध्ययन के

इसमें यह पता चलता है कि व्यक्ति का perception उसके व्यक्तिगत तत्वों से प्रभावित होता है। ऐसी हालत में perception पर आधारित observation में personal and social biases का भय रहता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि observation method में कतिपय limitations मौजूद हैं। लेकिन इसके बावजूद भी इस विधि की उपयोगिता को ignore करना हमारी भूल होगी क्योंकि जैसा कि अंत में <u>GOODE and HATT</u> लिखते हैं —

" Science begins with observation and must ultimately return to observation for its final validation."

3